जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

24 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के प्री-प्राइमरी और एलीमेंट्री स्कूल शिक्षकों ने तीन दिवसीय वर्कशाप में अपने ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन कौशल को बेहतर बनाया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सौ से अधिक प्री-प्राइमरी और एलीमेंट्री स्कूल शिक्षकों के लिए 21 जुलाई 2020 को शुरू हुई तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला कल संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन में लैस करना था। इसका आयोजन, जामिया के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने किया था।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर ने अपने संबोधन में कहा कि नई प्रौद्योगिकियां स्कूलों में पढ़ाई की पुरानी प्रथाओं को बदलने के तरीके खोल रही हैं। शिक्षा पद्धति अब 'टीचिंग संस्कृति से एक लर्निंग संस्कृति' की तरफ बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टीचिंग और लर्निंग अब बड़े पैमाने पर हो रही है। इसकी वजह यह है कि जामिया स्कूलों के सभी शिक्षक ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग और मूल्यांकन करने के उपकरणों का इस्तेमाल करने की कला से खुद को अच्छी तरह से लैस कर रहे हैं।
जामिया की फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के डीन प्रो एजाज़ मसीह ने कहा कि मौजूदा वक्त में शिक्षकों द्वारा टीचिंग की नवीन पद्धातियों से लगातार अपने को लैस करते जाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

आईएएसई फैकल्टी के सदस्यों के अलावा सीआईईटी से प्रो इंदु कुमार, प्रिंसिपल डीआईईटी, दरियागंज, के डा राजेश कुमार, एनसीईआरटी की प्रो अनुपम आहूजा, प्रसिद्ध कठपुतली कलाकार प्रमोद कुमार और जामिया सीआईटी के कार्यकारी निदेशक डा काजिम नकवी आदि ने वर्कशाप के विभिन्न सत्रों का संचालन किया।

इस आनलाइन कार्यशाला में दिल्ली एनसीआर के दो प्रमुख स्कूलों ने भी अपने अनुभव रखे। इनमें मौसमी बोस, हेड मिस्ट्रेस, सलवान मोंटेसरी स्कूल, गुरुग्राम और उनकी टीम और सुश्री अनुराधा हांडा, प्रिंसिपल, जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम और उनकी टीम ने आनलाइन टीचिंग-लर्निंग-एसेस्मन्ट के अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यशाला का समन्वयन, जामिया की फैकल्टी आफ एजुकेशन की डॉ सविता कौशल और डॉ एरम खान ने किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक